

उत्तराखण्ड के गाँवों में HIV का प्रकोप

चर्चा में क्यों?

हाल ही में नैनीताल के रामनगर में **HIV** प्रकोप की सूचना मिली है, जिससे नशीली दवाओं की लत और असुरक्षित यौन संबंधों के प्रभाव के बारे में जागरूकता बढ़ी है।

प्रमुख बिंदु

- **HIV प्रसार:**
 - रामनगर में 19 से अधिक पुरुष असुरक्षित यौन संबंध के बाद **HIV** पॉजिटिव पाए गए।
 - अधिकारी इसे सामुदायिक स्वास्थ्य सतर्कता को और अधिक सख्त बनाने के लिये एक चेतावनी के रूप में बता रहे हैं।
- **भारत में HIV - आँकड़े:**
 - वर्ष 2022 तक, लगभग **2.47 मिलियन भारतीय HIV के साथ जी रहे हैं**, तथा वयस्कों में इसकी व्यापकता दर **0.2%** है।
 - वर्ष 2010 के बाद से नये संक्रमणों में 42% से अधिक की गतिवृद्धि आई है, तथा AIDS से संबंधित मौतों में लगभग 77% की कमी आई है।
- **सरकारी प्रयास:**
 - भारत का **राष्ट्रीय AIDS और STI नियंत्रण कार्यक्रम (2021-2025)** मुख्यतः घरेलू स्तर पर वित्त पोषित है, जिसका ध्यान रोकथाम, परीक्षण और उपचार पर केंद्रित है।
 - **सामाजिक न्याय मंत्रालय** नशे और मादक पदार्थों से संबंधित समस्याओं से ग्रस्त लोगों की सहायता के लिये एक राष्ट्रीय हेल्पलाइन संचालित करता है।

ह्यूमन इम्यूनोडेफिशियेंसी वायरस (HIV)

- **परिचय:**
 - HIV का मतलब है ह्यूमन इम्यूनोडेफिशियेंसी वायरस, जो एक ऐसा वायरस है जो मानव शरीर की **प्रतिक्रिया प्रणाली** पर हमला करता है।
 - यह मुख्य रूप से CD4 प्रतिक्रिया कोशिकाओं को लक्ष्य बनाता है और उन्हें क्षतिग्रस्त करता है, जो संक्रमणों और रोगों से लड़ने की शरीर की क्षमता के लिये आवश्यक हैं।
 - समय के साथ, HIV प्रतिक्रिया प्रणाली को कमजोर कर देता है, जिससे शरीर अवसरवादी संक्रमणों (Opportunistic Infections) और **कैंसर** के प्रति संवेदनशील हो जाता है।
- **संचरण:**
 - HIV मुख्यतः रक्त, वीर्य, योनि द्रव्य और स्तनपान जैसे कुछ शारीरिक तरल पदार्थों के आदान-प्रदान के माध्यम से फैलता है।
- **गंभीरता:**
 - यदि उपचार न किया जाए तो वायरस व्यक्ति की प्रतिक्रिया प्रणाली को नष्ट कर देता है और उन्हें **एकवायरड इम्यूनोडेफिशियेंसी सिंड्रोम (AIDS)** चरण में कहा जाता है, जहाँ उसे कई अवसरवादी संक्रमण (Opportunistic Infections) होते हैं, जिसके परिणामस्वरूप मृत्यु हो सकती है।
- **उपचार:**
 - यद्यपि वर्तमान में इस संक्रमण का कोई इलाज नहीं है, फिर भी **एंटीरेट्रोवाइरल थेरेपी** का उपयोग करके इस रोग का प्रबंधन किया जा सकता है।
 - ये दवाएँ शरीर के भीतर वायरस की प्रतिकृति को नष्ट देती हैं, जिससे CD4 प्रतिक्रिया कोशिकाओं की संख्या में वृद्धि हो जाती है।

